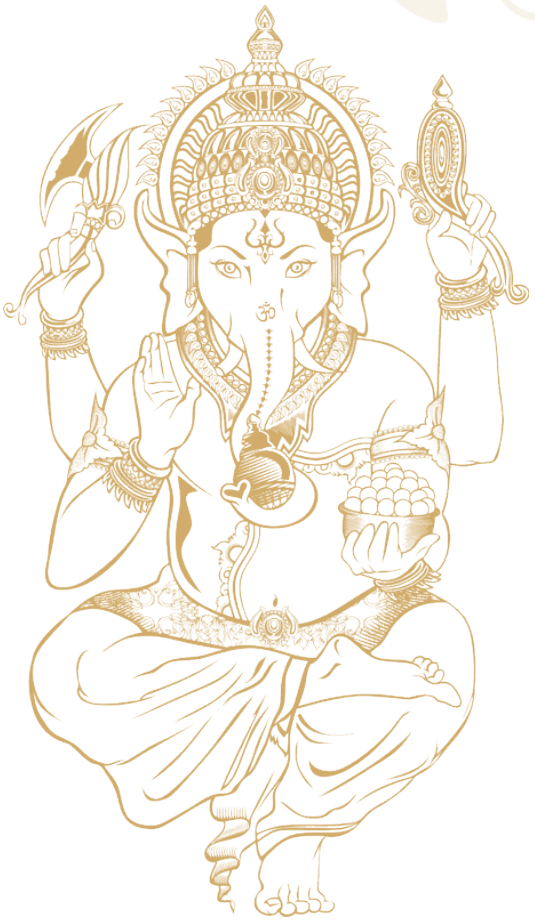

Sonu Kumar

20 Feb 1997

01:16 PM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121254208

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/02/1997**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**13:16:00 घंटे**
इष्ट	17:18:07 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:26:00 घंटे
वेलान्तर	-00:13:47 घंटे
साम्पातिक काल	23:27:08 घंटे
सूर्योदय	06:20:45 घंटे
सूर्यास्त	17:47:03 घंटे
दिनमान	11:26:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	07:54:02 कुम्भ
लग्न के अंश	09:13:48 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सौभाग्य
करण	गर
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डा-डालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	09:13:48	327:18:52	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	---
सूर्य			कुंभ	07:54:02	01:00:27	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	15:02:51	11:51:56	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	स्वराशि
मंगल	व		कन्या	10:47:40	00:11:02	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
बुध		अ	मक	23:04:35	01:36:34	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	सम राशि
गुरु			मक	13:03:49	00:13:29	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	नीच राशि
शुक्र			मक	27:37:48	01:15:01	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	11:46:14	00:06:40	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	05:06:10	00:04:56	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	05:06:10	00:04:56	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	12:20:25	00:03:16	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप			मक	04:51:36	00:01:59	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	11:42:29	00:00:34	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	27:14:16	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:03

लग्न-चलित

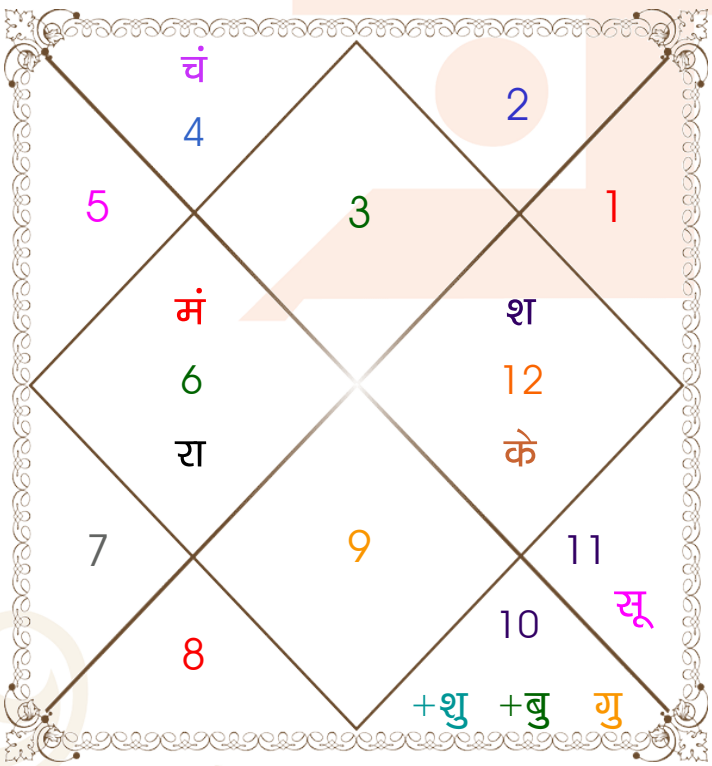

चन्द्र कुंडली

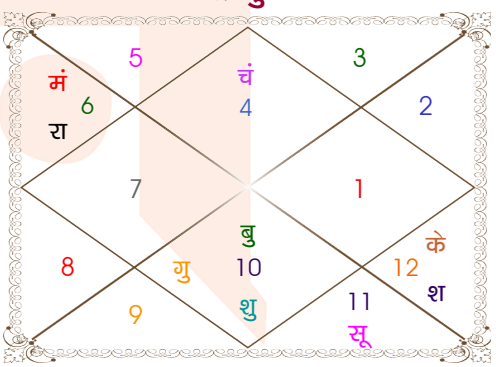

नवमांश कुंडली

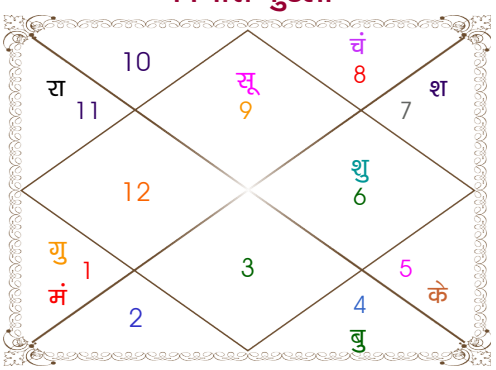

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 2 वर्ष 3 मास 20 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
20/02/1997		13/06/1999		12/06/2016		13/06/2023		13/06/2043	
13/06/1999		12/06/2016		13/06/2023		13/06/2043		12/06/2049	
00/00/0000	बुध	08/11/2001	केतु	08/11/2016	शुक्र	12/10/2026	सूर्य	30/09/2043	
00/00/0000	केतु	06/11/2002	शुक्र	08/01/2018	सूर्य	13/10/2027	चंद्र	31/03/2044	
00/00/0000	शुक्र	06/09/2005	सूर्य	16/05/2018	चंद्र	12/06/2029	मंगल	06/08/2044	
00/00/0000	सूर्य	13/07/2006	चंद्र	15/12/2018	मंगल	12/08/2030	राहु	01/07/2045	
00/00/0000	चंद्र	12/12/2007	मंगल	13/05/2019	राहु	12/08/2033	गुरु	19/04/2046	
00/00/0000	मंगल	09/12/2008	राहु	31/05/2020	गुरु	12/04/2036	शनि	01/04/2047	
00/00/0000	राहु	28/06/2011	गुरु	07/05/2021	शनि	13/06/2039	बुध	05/02/2048	
20/02/1997	गुरु	03/10/2013	शनि	16/06/2022	बुध	13/04/2042	केतु	12/06/2048	
गुरु 13/06/1999	शनि	12/06/2016	बुध	13/06/2023	केतु	13/06/2043	शुक्र	12/06/2049	

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
12/06/2049		13/06/2059		13/06/2066		12/06/2084		13/06/2100	
13/06/2059		13/06/2066		12/06/2084		13/06/2100		21/02/2117	
चंद्र	13/04/2050	मंगल	09/11/2059	राहु	23/02/2069	गुरु	31/07/2086	शनि	17/06/2103
मंगल	12/11/2050	राहु	27/11/2060	गुरु	19/07/2071	शनि	11/02/2089	बुध	24/02/2106
राहु	13/05/2052	गुरु	02/11/2061	शनि	25/05/2074	बुध	19/05/2091	केतु	05/04/2107
गुरु	12/09/2053	शनि	12/12/2062	बुध	12/12/2076	केतु	24/04/2092	शुक्र	04/06/2110
शनि	13/04/2055	बुध	09/12/2063	केतु	30/12/2077	शुक्र	24/12/2094	सूर्य	17/05/2111
बुध	11/09/2056	केतु	07/05/2064	शुक्र	30/12/2080	सूर्य	13/10/2095	चंद्र	16/12/2112
केतु	12/04/2057	शुक्र	07/07/2065	सूर्य	24/11/2081	चंद्र	11/02/2097	मंगल	25/01/2114
शुक्र	12/12/2058	सूर्य	12/11/2065	चंद्र	26/05/2083	मंगल	17/01/2098	राहु	01/12/2116
सूर्य	13/06/2059	चंद्र	13/06/2066	मंगल	12/06/2084	राहु	13/06/2100	गुरु	21/02/2117

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 2 वर्ष 3 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।